अध्यक्ष की कलम से   अंक फरवरी 06

प्रिय साथियों,

मैने अपने पिछले संदेश में अपना पूर्ण विश्वास आप लोगों में व्यक्त करते हुये आह्वान किया था कि हम अपने सम्पूर्ण प्रयासों से बैंक को सफलताओं के शिखर पर पहुॅचायेंगे । हमें अपनी वर्तमान स्थिति का आंकलन करते हुये अपनी कार्य योजनाओं को मूल स्वरूप देना हैं । हम वित्तीय वर्ष के अन्तिम पायदान पर खड़ें हैं । अब हमारे पास 96 शाखाओं का विस्तृत क्षेत्र हैं, जिसमें 8 विस्तार पटल काउन्टर हैं । इनमें से 75 शाखाऐं बैंक मित्र से जुड़ी हैं तथा कम्प्यूटरीकृत हैं । हमारे बैंक के व्यवसाय के मार्च 06 लक्ष्य निम्न प्रकार हैं ।

जमा	490.00 करोड़
ऋण	235.00 करोड़
एनपीए	3.75 करोड़
लाभ	11.00 करोड़

हमारे बैंक की दिनांक 31.12.2005 को व्यवसाय की स्थिति निम्न प्रकार हैं :-

जमा	384.00 करोड़
ऋण	213.00 करोड़
एनपीए	5.75 करोड़
वसूली जून 05	92.02 प्रतिशत
लाभ	5.78 करोड़

मुझे पूर्ण विश्वास है कि विभिन्न कठिन परिस्थितियों में भी आप उक्त चुनौतियों को स्वीकार करते हुये बैंक व्यवसाय के समस्त लक्ष्यों को पूर्ण करेगें ।

जमा संग्रहण:

9 माह की अवधि बीत जाने के पश्चात हम अभी भी 31.03.2005 के कारोबारिक स्तर से नीचे हैं । हमारा विकास एक समान रूप से बढ़ना चाहिये ताकि हम सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें और अपने बैंक की स्थिति सुदृढ़ बनायें । कम लागत वाली जमाओं का अंश 50प्रतिशत के स्तर से भी अधिक हैं जो हमारा एक मजबूत क्षेत्र हैं । प्राय: यह देखा गया है कि जागरूकता,विपणन और प्रयत्न की कमी के फलस्वरूप हम अपने जमा उत्पादों को बढ़ावा नहीं दे रहें हैं । चूकिं हमारा क्षेत्र अधिकतर ग्रामीण हैं, अत: हमें अपने ग्राहकों को आधार बनाते हुये जमा राशियों के आधार में पर्याप्त वृद्धि करनी होगी । किसी भी बैंक की छवि में वृद्धि करने के लिये ग्राहक सेवा में वृद्धि करना अत्यन्त आवश्यक होता है क्योंकि ग्राहक सेवा ही बैंक की रीढ़ हैं । ग्राहक सेवा को नया आयाम प्रदान करना हमारी उच्चतम प्राथमिकताओं में से एक हैं ।

अनर्जक आस्तियॉ:

अनर्जक आस्तियों का रखरखाब किसी भी बैंकिग संस्था के लिये महत्वपूर्ण क्षेत्र है क्योंकि अनर्जक आस्तियों से बैंक को कोई आय प्राप्त नही होती हैं जिससे हमारी लाभप्रदता प्रभावित होती हैं । अनर्जक आस्तियों की वसूली के लिये हमें सतत् प्रयास करने होगें एवं अच्छी गुणवत्ता वाले समझौता प्रस्तावों की सम्भावनाओं को खोजना होगा । जो एनपीए के लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं उन्हें हर परिस्थिति में प्राप्त करना होगा । साथ ही हमें यह भी प्रयास करने होगे कि कोई नया खाता एनपीए श्रेणी के अर्न्तगत न आने पायें ।

अंत में आप सभी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आशा करता हूॅ कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के समस्त लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए प्रति व्यक्ति उत्पादकता में वृद्धि एवं बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न वित्तीय उत्पादों को प्रभावी ढंग से विपणन करने में हम सब पूर्ण रूप से सक्षम होंगे ।

-ऐ.के.लूम्बा